



Rrrr

01 Oct 2023

01:16 AM

Kolkata

Model: web-freekundliweb

Order No: 121055707

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 30-01/10/2023
दिन _____: शनि-रविवार
जन्म समय _____: 01:16:00 घंटे
इष्ट _____: 49:30:39 घटी
स्थान _____: Kolkata
राज्य _____: West Bengal
देश _____: India

अक्षांश _____: 22:34:00 उत्तर
रेखांश _____: 88:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:23:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 01:39:24 घंटे
वेलान्तर _____: 00:09:50 घंटे
साम्पातिक काल _____: 02:16:36 घंटे
सूर्योदय _____: 05:27:44 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:25:25 घंटे
दिनमान _____: 11:57:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 13:12:12 कन्या
लग्न के अंश _____: 15:14:04 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: अश्विनी - 1
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: व्याघात
करण _____: गर
गण _____: देव
योनि _____: अश्व
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: सिंह
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: तुला

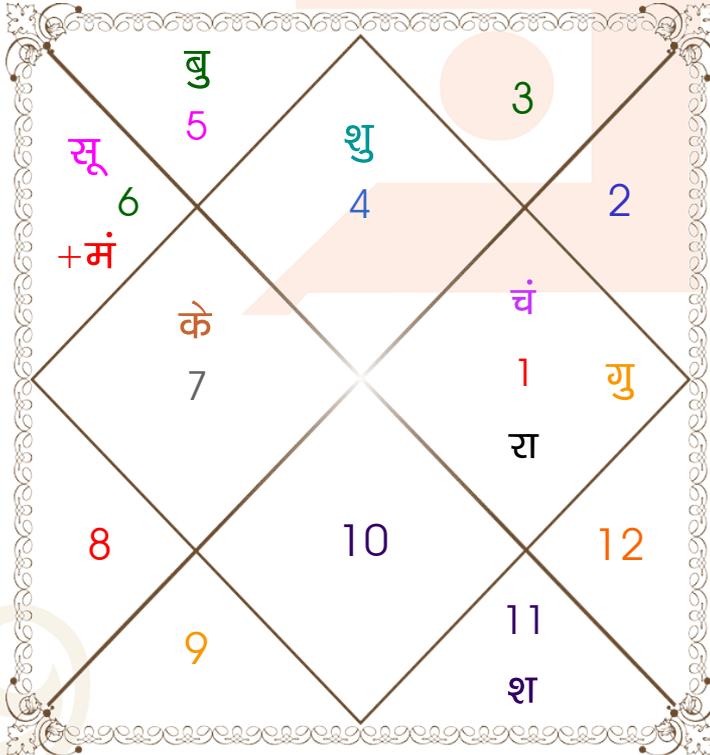
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद नं.	रा न	न अं.	स्थिति
लग्न	कर्क	15:14:04	317:47:46	पुष्य	4 8	चंद्र	शनि	गुरु ---
सूर्य	कन्या	13:12:12	00:58:56	हस्त	1 13	बुध	चंद्र	राहु सम राशि
चंद्र	मेष	02:29:39	14:26:51	अश्विनी	1 1	मंगल	केतु	शुक्र सम राशि
मंगल	अ कन्या	28:12:03	00:39:59	चित्रा	2 14	बुध	मंगल	शनि शत्रु राशि
बुध	सिंह	28:39:18	01:39:01	उ०फाल्गुनी	1 12	सूर्य	सूर्य	मंगल मित्र राशि
गुरु	व मेष	20:15:45	00:05:02	भरणी	3 2	मंगल	शुक्र	गुरु मित्र राशि
शुक्र	कर्क	29:15:55	00:44:01	आश्लेषा	4 9	चंद्र	बुध	शनि शत्रु राशि
शनि	व कुंभ	07:17:55	00:03:12	शतभिषा	1 24	शनि	राहु	राहु मूलत्रिकोण
राहु	मेष	00:42:27	00:00:06	अश्विनी	1 1	मंगल	केतु	केतु शत्रु राशि
केतु	तुला	00:42:27	00:00:06	चित्रा	3 14	शुक्र	मंगल	बुध सम राशि
हर्ष	व मेष	28:27:23	00:01:32	कृतिका	1 3	मंगल	सूर्य	मंगल ---
नेप	व मीन	01:46:25	00:01:37	पू०भाद्रपद	4 25	गुरु	गुरु	राहु ---
प्लूटो	व मक	03:43:47	00:00:17	उत्तराषाढा	3 21	शनि	सूर्य	शनि ---
दशम भाव	मेष	12:17:14	--	अश्विनी	-- 1	मंगल	केतु	बुध --

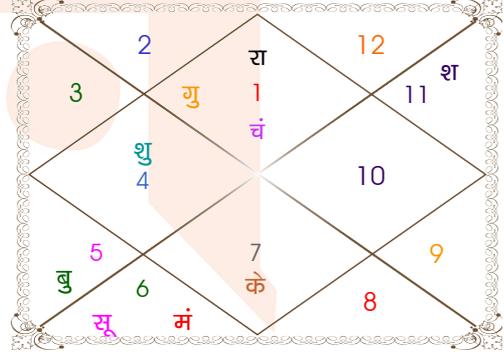
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:12

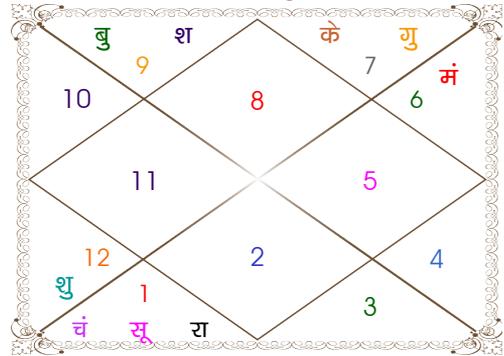
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 8 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
01/10/2023	09/06/2029	09/06/2049	10/06/2055	09/06/2065
09/06/2029	09/06/2049	10/06/2055	09/06/2065	09/06/2072
01/10/2023	शुक्र 09/10/2032	सूर्य 27/09/2049	चंद्र 09/04/2056	मंगल 05/11/2065
शुक्र 06/01/2024	सूर्य 09/10/2033	चंद्र 28/03/2050	मंगल 08/11/2056	राहु 24/11/2066
सूर्य 12/05/2024	चंद्र 10/06/2035	मंगल 03/08/2050	राहु 10/05/2058	गुरु 31/10/2067
चंद्र 11/12/2024	मंगल 09/08/2036	राहु 28/06/2051	गुरु 09/09/2059	शनि 08/12/2068
मंगल 10/05/2025	राहु 09/08/2039	गुरु 15/04/2052	शनि 09/04/2061	बुध 06/12/2069
राहु 28/05/2026	गुरु 09/04/2042	शनि 28/03/2053	बुध 09/09/2062	केतु 04/05/2070
गुरु 04/05/2027	शनि 09/06/2045	बुध 01/02/2054	केतु 10/04/2063	शुक्र 04/07/2071
शनि 12/06/2028	बुध 09/04/2048	केतु 09/06/2054	शुक्र 08/12/2064	सूर्य 09/11/2071
बुध 09/06/2029	केतु 09/06/2049	शुक्र 10/06/2055	सूर्य 09/06/2065	चंद्र 09/06/2072

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
09/06/2072	09/06/2090	10/06/2106	10/06/2125	10/06/2142
09/06/2090	10/06/2106	10/06/2125	10/06/2142	00/00/0000
राहु 20/02/2075	गुरु 27/07/2092	शनि 13/06/2109	बुध 07/11/2127	केतु 06/11/2142
गुरु 16/07/2077	शनि 08/02/2095	बुध 21/02/2112	केतु 03/11/2128	शुक्र 02/10/2143
शनि 22/05/2080	बुध 16/05/2097	केतु 01/04/2113	शुक्र 04/09/2131	00/00/0000
बुध 09/12/2082	केतु 22/04/2098	शुक्र 01/06/2116	सूर्य 10/07/2132	00/00/0000
केतु 27/12/2083	शुक्र 22/12/2100	सूर्य 14/05/2117	चंद्र 10/12/2133	00/00/0000
शुक्र 27/12/2086	सूर्य 10/10/2101	चंद्र 13/12/2118	मंगल 07/12/2134	00/00/0000
सूर्य 21/11/2087	चंद्र 09/02/2103	मंगल 22/01/2120	राहु 25/06/2137	00/00/0000
चंद्र 22/05/2089	मंगल 16/01/2104	राहु 28/11/2122	गुरु 01/10/2139	00/00/0000
मंगल 09/06/2090	राहु 10/06/2106	गुरु 10/06/2125	शनि 10/06/2142	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 8 मा 13 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि में ही द्रेष्काण उदित था। आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन उज्ज्वल एवं फलदायक है। परन्तु आपके स्वास्थ्य से सम्बंधित कतिपय सतर्कतापूर्ण निर्देश प्राप्त होते हैं।

प्रायः कर्क राशीय प्रभाव से आप शारीरिक रूप से बाल्यावस्था में सुकुमार रहेंगे। बल्कि आयु वृद्धि के साथ-साथ आपकी शारीरिक अभिवृद्धि भी होगी तथा शारीरिक स्थिति में सुधार संभव है। तथापि वृश्चिक नवमांश के प्रभाव से आप दुःसाहसिक कदम उठाएंगे। फलस्वरूप आप कतिपय रोगों से आक्रान्त हो सकते हैं। उत्तम तो यह है कि आप पाचन क्रिया के कारण कुष्ठ रोगादि उत्पन्न होने के पूर्व ही सतर्कता अपनाना ठीक है। आपको सतत ही सन्धिवात अर्थात् गॉठ के दर्द (गठिया) वायु, अलसर, गौस्टिक रोग एवं नितम्ब बेदना रोग उत्पन्न होने के प्रति रक्षित रहें। आप उत्तम स्वास्थ्य लाभ हेतु नियमितता बनाए रखें तथा अधिक भोजन करने की आदत नियंत्रण रखें।

अकारण मद्यपान की निवृत्ति की अनुशंसा करें। अर्थात् त्याग करें।

आप बहुत धनोपार्जन करेंगे तथा आपके पास धन कोष पर्याप्त रहेगा। यह सुनिश्चित है, जबकि आप एकाग्रचित होकर स्वतः अपने कार्य उद्देश्य के सफलता की प्राप्ति हेतु दृढ़तापूर्वक प्रयासरत रहें। आपके जीवन का भाग्यशाली समय 36 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा। आप अपनी अति अभिलाषा पर नियंत्रण रखें तथा अपने उद्देश्य को कार्यरूप दें। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि आप विश्वसनीयता पूर्वक कार्य सम्पादन करेंगे। आप मंत्री पद एवं उच्च कार्यकारी पदाधिकारी पद पर आसीन हो सकते हैं। बशर्ते कि विश्वास पूर्वक अपनी प्रतिष्ठा को सम्मान जनक बना सके। आपके लिए व्यवसाय जल से सम्बंधित कार्य है। यथा तटबन्ध, नहर-सिंचाई, कृषि एवं जहाजरानी सम्बंधी कार्य अनुकूल होंगे।

आप जनसामान्य हेतु ज्योतिषीय कार्य अर्थात् भविष्यवक्ता, शिक्षण कार्य आदि आध्यात्मिक व्यवस्था को पसन्द करते हैं। क्योंकि आपने विश्वसनीयता पूर्वक आध्यात्मिक ज्ञान का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपकी उच्चाकांक्षा है कि आप दर्शनीय तीर्थस्थानों का भ्रमण कर, लोक कल्याणकारी कार्य प्रस्तुत करेंगे। आपमें यह गुण विद्यमान है कि बहुसंख्यक प्राणी आपकी विश्वसनीयतापूर्ण आध्यात्मिक समर्पण की प्रशंसा करेंगे। आप विश्वसनीयता को प्राथमिकता देकर प्रशंसित व्यवसाय करेंगे तथा सदैव आपका व्यवहार जनसाधारण द्वारा प्रशंसित रहेगा।

आप उच्च कोटि के भावुक प्राणी है। आप अपने परिवार के साथ पूर्णतः सम्बंधित रहेंगे। आप अपनी पत्नी के पूर्ण स्नेह प्रदान करने के लिए तत्पर रहकर अपने पारिवारिक सदस्यों की उन्नति और सुधार के लिए त्याग करेंगे। तथापि आप अपनी आश्चर्यजनक उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति को नियंत्रित करने के अभ्यास का आचरण करें। इसमें सन्देह नहीं कि आप सदैव शान्त रहते हैं, तथापि शीघ्रतापूर्वक पुनः समत्वबुद्धि (धैर्य) धारण कर लेते हैं। परन्तु इस

प्रवृत्ति का दृश्यान्त आंशिक हानिप्रद होता है। अतः आप इस बेसुधपना को अनिवार्य रूप से शान्ति पूर्ण बना लें तथा निश्चिततापूर्वक विश्राम ग्रहण करें।

आप अपने स्तर के बहुसंख्यक मित्र अपनी यात्रा क्रम में बनाएंगे। आपकी अभिलाषा है कि आपका मित्रतापूर्ण संबंध शुभकांक्षाओं से युक्त एवं विश्वास जनक हो। आप अपने मित्रों के साथ आमोद-प्रमोद युक्त आनन्द एवं प्रीति मिलन मुक्तहस्त से अपने आवास पर उदारतापूर्ण आनन्द प्राप्त करेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक, 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली प्रमाणित होगा एवं अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त है। आपके लिए रंग ब्लू एवं हरा रंग उपयुक्त नहीं अस्तु आपके लिए लाल, पीला, सफेद एवं क्रीम रंग फलदायक प्रतीत होता है।

